

॥ भट्टिकाव्यं ॥

॥ अस्य टीका जयमङ्गलरचिता जयमङ्गला ॥

॥ भरतमल्लिकनिर्मिता मग्धबोधिनी च ॥

---

॥ तस्य द्वितीयभागः ॥

---

॥ कलिकाता राजधान्यां कमिटीसाहेवानामाज्ञया

इडुकेशन् यन्त्रालये मद्रितः ॥

---

॥ सम्वत्सरे १८८४ शके १७५० ॥